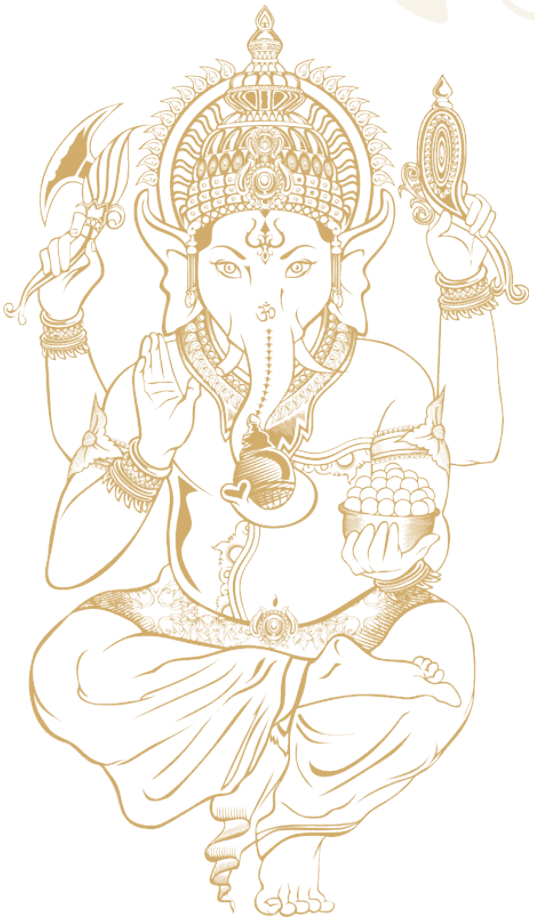

L

14 Jan 2026

02:18 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121016002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:18:00 घंटे**
इष्ट	17:36:32 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:56:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:58 घंटे
साम्पातिक काल	21:32:12 घंटे
सूर्योदय	07:15:23 घंटे
सूर्यास्त	17:45:15 घंटे
दिनमान	10:29:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:57:55 धनु
लग्न के अंश	13:05:14 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	13:05:14	378:03:19	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			धनु	29:57:55	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	10:20:41	11:52:16	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	नीच राशि
मंगल		अ	धनु	28:46:01	00:46:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	25:23:02	01:36:55	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:20:46	00:08:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	01:47:58	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	02:51:22	00:04:40	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:53:07	00:07:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:53:07	00:07:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:25:23	00:01:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:29:55	00:01:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:54:39	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	26:26:07	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

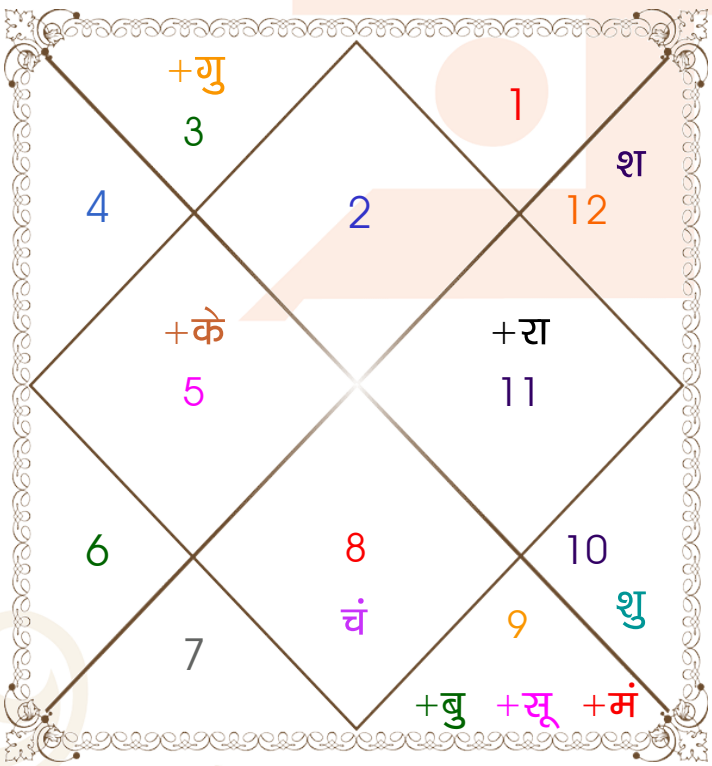

चन्द्र कुंडली

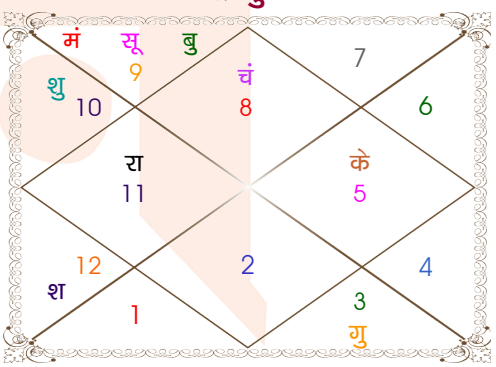

नवमांश कुंडली

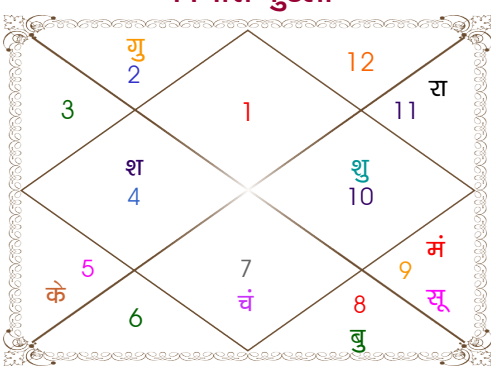

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 0 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/01/2026		18/01/2035		18/01/2052		18/01/2059		18/01/2079	
18/01/2035		18/01/2052		18/01/2059		18/01/2079		17/01/2085	
	00/00/0000	बुध	15/06/2037	केतु	15/06/2052	शुक्र	19/05/2062	सूर्य	07/05/2079
	00/00/0000	केतु	12/06/2038	शुक्र	15/08/2053	सूर्य	19/05/2063	चंद्र	06/11/2079
	00/00/0000	शुक्र	12/04/2041	सूर्य	21/12/2053	चंद्र	17/01/2065	मंगल	13/03/2080
	14/01/2026	सूर्य	17/02/2042	चंद्र	22/07/2054	मंगल	19/03/2066	राहु	04/02/2081
सूर्य	21/12/2026	चंद्र	19/07/2043	मंगल	18/12/2054	राहु	19/03/2069	गुरु	24/11/2081
चंद्र	22/07/2028	मंगल	15/07/2044	राहु	06/01/2056	गुरु	18/11/2071	शनि	06/11/2082
मंगल	30/08/2029	राहु	02/02/2047	गुरु	12/12/2056	शनि	18/01/2075	बुध	12/09/2083
राहु	06/07/2032	गुरु	10/05/2049	शनि	20/01/2058	बुध	17/11/2077	केतु	18/01/2084
गुरु	18/01/2035	शनि	18/01/2052	बुध	18/01/2059	केतु	18/01/2079	शुक्र	17/01/2085

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/01/2085		18/01/2095		18/01/2102		19/01/2120		19/01/2136	
18/01/2095		18/01/2102		19/01/2120		19/01/2136		00/00/0000	
चंद्र	17/11/2085	मंगल	16/06/2095	राहु	01/10/2104	गुरु	08/03/2122	शनि	22/01/2139
मंगल	19/06/2086	राहु	03/07/2096	गुरु	24/02/2107	शनि	18/09/2124	बुध	01/10/2141
राहु	18/12/2087	गुरु	09/06/2097	शनि	31/12/2109	बुध	25/12/2126	केतु	10/11/2142
गुरु	18/04/2089	शनि	19/07/2098	बुध	19/07/2112	केतु	01/12/2127	शुक्र	09/01/2146
शनि	18/11/2090	बुध	16/07/2099	केतु	07/08/2113	शुक्र	01/08/2130	सूर्य	15/01/2146
बुध	18/04/2092	केतु	12/12/2099	शुक्र	07/08/2116	सूर्य	20/05/2131		00/00/0000
केतु	17/11/2092	शुक्र	11/02/2101	सूर्य	01/07/2117	चंद्र	18/09/2132		00/00/0000
शुक्र	19/07/2094	सूर्य	19/06/2101	चंद्र	31/12/2118	मंगल	25/08/2133		00/00/0000
सूर्य	18/01/2095	चंद्र	18/01/2102	मंगल	19/01/2120	राहु	19/01/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 11 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगी। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करती हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहती हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करती हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक है।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगी। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगी। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहती हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद की साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति की प्राणी होंगी। आपका ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगा। आपके पति की स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगी। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाती हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगी। आयु वृद्धि के साथ-साथ आप गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर की सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।